been adopted to improve efficiency of operations.

Modernisation of coal mines

34. SHRI CHTMANBHAI MEHTA: SHRI SARADA MOHANTY: SHRI SOM PAL: SHRIMATI MIRA DAS:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) what is the financial requirement for the modernisation of coal mines at present;

(b) what is the time stipulation for modernisation and what amount is going to be spent for modernisation in coal mines by public, private and joint sectors during the current five year plan;

(c) what would be the overall benefits of modernisation in terms of productivity, per shift worker, cost of production per tonne of coal and other benefits; and

(d) what was the production status, financial position, status of VRS scheme, strength of labour including surplus labour during the last three years?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) to (c) Moderni-salion of coal mines is a continuous process. The modern technologies being progressively introduced are primarily directed towards increasing production and improving safety, productivity and operational efficiency. According to present projections the target of coal production fixed for the terminal year of 8th Five Year Plan is 308 million tonnes (CIL — 270 M.T., SCCL — 33 m.t., Others — 5 m.t.).

For achieving the target of production the capital outlay for modernisation of coal mines for 8th Plan period is about Rs. 7000 crores for on-going and new projects.

Growth in coal production from TISCO, IISCO, DVC etc. will be very marginal i.e. from 4.53 m.t. in 1992-93 to 5.00 m.t. by 1996-97.

Output per manshift (O.M.S.) projected for the terminal year of 8th Plan is 1.65 tonnes for Coal India Ltd. aad 1.31 tonnes for Singareni Collieries Co. Ltd.

The cost of production depends on factors like wage increase, inflation in cost of inputs etc. At any point of time no exact estimate can, be made of these factors. However, coal companies have been adopting cost control measures to absorb 2-3 per cent of cost increase due to inflation.

(d) Information in respect of Coal India Ltd. and Singareni Collieries Company Ltd. is given below:—

Year	Production (million tonnes)	Financial Status Profit/Loss (in crores)	No. of employees	No. of surplus	No. of retired under VRS
1990-91	189.64	(—) 253.17	6,72,866	19,518	900
1991-92	204.14	(+) 167.07	6,71,550	17,222	1,587
1992-93	211.19	Expected to earn profit	6,63,349	10,848	6,232
SCCL					
1990-91	17.71	(—) 165.72	1,16,918	..	SSCL has a Voluntary Retirement Scheme for NCWA employees only on health grounds.
1991-92	20.58	(—)204.84	1,16,261	2,999	
1992-93	22.51	Accounts not yet finalised	1,15,025	1,964	

Besides CIL and the subsidary companies have about 35,000 female employees who are underutilised due to restrictions imposed by Mines Act and the Rules and Regulations framed thereunder.

स्वीकृत कोयला परियोजनाओं की प्रौद्योगिकी में परिवर्तन

35. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि स्वीकृत कोयला परियोजनाओं (1985–90) की प्रौद्योगिकी में परिवर्तन किया गया है;

(ख) ऐसी परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और ये परियोजनाएं अपने निर्धारित समय से कितना पिछड़ रही हैं; और

(ग) इन परियोजनाओं की प्रौद्योगिकी में परिवतन करने के क्या कारण हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (ग) भूमिगत कोयला खनन की सामान्य प्रकृति को देखते हुए, खान योजना में प्रस्तावित प्रौद्योगिकी की सफलता मुख्यत: भू-मगत क्रियाकलापों को वास्तविक रूप में विकसित करने के दौरान उपस्थित भू-खनन परिस्थितियों पर निर्भर करती है। खनन योजना तथा प्रौद्योगिकी में मध्य मार्ग में परिवर्तन करना कई बार आवश्यक हो जाता है, जबकि भूमिगत खानों में कार्य करते समय, वास्तविक भू-खनन परिस्थितियां/आई कठिनाइयां खान संबधी योजना तयार करते समय की स्थितियों से अलग पाई जाती हैं। वर्ष 1985–90 की अवधि के दौरान सरकार द्वारा अनुमोदित निम्नलिखित भूमिगत परियोजनाओं की विपरीत भू-खनन परिस्थिति के कारण खनन प्रौद्योगिकी में मुख्य परिवर्तन किया जाना आवश्यक हो गया :

परियोजना	वास्तविक प्रौद्योगिकी	संशोधित प्रौद्योगिकी	परियोजना पूरी होने के मूल कार्यक्रम से विलंब
1. रविन्द्र खानी–1ए (सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि०)	लांगवाल	बोर्ड और पिल्लर	परियोजना वर्ष 1991–92 में दो वर्षों की देरी से पूरी हुई।
2. अमृत नगर (ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०)	लांगवाल	बोर्ड और पिल्लर	3 वर्ष (प्रत्याशित)
3. कालीदासपुर (ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०)	साथ-साथ विकास तथा केविंग सहित डीपिलिरंग	यांत्रिकृत बोर्ड एवं पिल्लर	5 वर्ष (प्रत्याशित)
4. जे० के० नगर (ईस्टर्न कोलफील्डस लि०)	लांगवाल	यांत्रिकृत बोर्ड एवं पिल्लर	1 वर्ष (प्रत्याशित)
5. चुरचा वेस्ट (साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०)	लांगवाल	यांत्रिकृत बोर्ड एवं पिल्लर	4 वर्ष (प्रत्याशित)